न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट, बाड़मेर

पीठासीन अधिकारी : राजेन्द्र सिंह चांदावत, आर0ए0एस0

खाद्य सुरक्षा परिवाद सं. 53/2023

प्रार्थी –	***बनाम***	**अप्रार्थी –**
राजस्थान सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर		दलपतसिंह पुत्र निम्बसिंह जाति राजपुरोहित निवासी मु.पो. लखा तह. फतेहगढ, जिला जैसलमेर (मैसर्स बालाजी किराणा एण्ड जनरल स्टोर, राज श्री कॉम्पलेक्स, गडरा चौराहा शिव का विक्रेता एवं मालिक)

परिवाद अन्तर्गत धारा 26(2)(ii) सहपठित धारा 51 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006

उपस्थिति :–

1. अभियोजन अधिकारी प्रार्थी की ओर से उपस्थित।
2. अधिवक्ता श्री चन्द्रभान सिंह मंहेचा अप्रार्थी की ओर से उपस्थित।

आदेश

दिनांक : 20.08.2024

1. प्रार्थी की ओर से यह परिवाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर द्वारा धारा 26 की उप धारा (2)(ii) के उल्लंघन के फलस्वरूप धारा 51 खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत अप्रार्थी के विरूद्ध प्रस्तुत किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर द्वारा प्रस्तुत परिवाद के संक्षिप्त तथ्य यह हैं कि अप्रार्थी के प्रतिष्ठान **मैसर्स बालाजी किराणा एण्ड जनरल स्टोर, राज श्री कॉम्पलेक्स, गडरा चौराहा शिव** पर निरीक्षण दिनांक **05.07.2023** को विक्रय हेतु रखा गया खाद्य पदार्थ **बादाम लूज** 10 किलोग्राम एक प्लास्टिक के कट्टे में भरी हुई थी, को मिलावट का होने के शक पर नियमानुसार 01 किलो **बादाम लूज** वास्ते नमूना क्रय किया जाकर नमूना संख्या **पी–2147** अंकित कर इसकी जांच खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत कराये जाने हेतु प्रपत्र–5(ए) भरकर अप्रार्थी एवं गवाह व विक्रेता के हस्ताक्षर करवाये गये। उक्त खाद्य पदार्थ **बादाम लूज** का नमूना वास्ते जांच खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला जोधपुर को भिजवाया गया। खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला जोधपुर द्वारा रिपोर्ट दिनांक **14.07.2023** में उक्त खाद्य पदार्थ **बादाम लूज** का नमूना को **अवमानक (Sub-standard)** बताया गया जि[illegible] सूचना दी गई, जिस पर अप्रार्थी द्वारा कोई जवाब ऐतराज प्रस्तुत न[illegible]या। इस पर प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर द्वारा यह [illegible] की खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 26 [illegible] करने के [illegible] अधिनियम की धारा 51 के तहत जुर्माना [illegible] निवेदन किया है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Rajendra Singh Chandawat
Date: 2024.12.06 16:13:54 IST
Reason: SelfAttested

न्याय निर्णयन अधिकारी एव
अपर जिला मजिस्ट्रेट बाडमेर

2. अप्रार्थी को जरिये रजिस्टर्ड नोटिस तलब किया गया। अधिवक्ता अप्रार्थी द्वारा अपने लिखित जवाब पेश कर निवेदन किया है कि बादाम प्राकृतिक तौर पर पेडों से उत्पादित होता है, जिसमे मिलावट का कोई अंदेशा नहीं रहता है। बादाम स्थानीय फसल न होकर बाहय फसल है जो कि काफी दूर से स्थानीय क्षेत्र में विकय हेतु आती है, जिसका कि मौसम अनुसार कुछ मामूली सा बदलाव आना स्वाभाविक है। अतः अधिवक्ता अप्रार्थी द्वारा उक्त प्रकरण में की गई कार्यवाही को निरस्त कर विड्रोल करवाने का निवेदन किया है।

3. प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत परिवाद का अवलोकन किया एवं पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। अप्रार्थी द्वारा कारित अपराध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत जुर्माना से दण्डनीय है तथा खाद्य पदार्थों से सम्बन्धित सुरक्षा मानकों के प्रति उदासीनता मानव स्वास्थ्य के प्रति गम्भीर अपराध की श्रेणी में माना गया है। अप्रार्थी के प्रतिष्ठान से लिये गये खाद्य पदार्थ के नमूना की खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला जोधपुर से प्राप्त नमूना जांच रिपोर्ट दिनांक **14.07.2023** में उक्त नमूना **अवमानक (Sub-standard)** स्तर का पाया गया है। नमूना जांच रिपोर्ट में **Oil content** का मानक स्तर न्यूनतम **not less than 45.0%** के मुकाबले **40.71%** पाया गया जो मानक स्तर का नहीं है। इस पर पदाभिहित अधिकारी द्वारा अप्रार्थी को धारा 46 की उप–धारा 4 के अधीन नोटिस जारी किया गया किन्तु अप्रार्थी द्वारा कोई जवाब ऐतराज प्रस्तुत नहीं किया गया। इस पर प्रार्थी की ओर से यह परिवाद प्रस्तुत होने पर जरिये नोटिस जवाब हेतु अप्रार्थी को तलब किया गया। अधिवक्ता अप्रार्थी द्वारा अपने लिखित जवाब पेश कर निवेदन किया है कि बादाम प्राकृतिक तौर पर पेडों से उत्पादित होता है, जिसमे मिलावट का कोई अंदेशा नहीं रहता है। बादाम स्थानीय फसल न होकर बाहय फसल है जो कि काफी दूर से स्थानीय क्षेत्र में विकय हेतु आती है, जिसका कि मौसम अनुसार कुछ मामूली सा बदलाव आना स्वाभाविक है। अतः अधिवक्ता अप्रार्थी द्वारा उक्त प्रकरण में की गई कार्यवाही को निरस्त कर विड्रोल करवाने का निवेदन किया है। अप्रार्थी जो खाद्य पदार्थ अपने प्रतिष्ठान में रखकर ग्राहकों को विक्रय किया जा रहा है तो उसकी गुणवता के लिए उसका उत्तरदायित्व खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अन्तर्गत अप्रार्थी का है। लिहाजा अप्रार्थी के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 26 की उप धारा (2)(ii) का उल्लंघन करने के लिए अधिनियम की धारा 51 के तहत जुर्म प्रमाणित है।

4. अतः उपर्युक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विचार उपरान्त अप्रार्थी के विरूद्ध अपराध धारा 51 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 प्रमाणित होने से अप्रार्थी पर **रूपये 20,000/–** का जुर्माना अधिरोपित किया जाता है। अप्रार्थी उक्त जुर्माना राशि का बैंक डिमाण्ड ड्राफ्ट मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बाड़मेर के नाम पेश करें, जो पेश

Signature Not Verified
Digitally signed by Rajendra Singh Chandawat
Date: 2024.12.06 16:13:54 IST
Reason: SelfAttested

न्याय निर्णयन अधिकारी एव
अपर जिला मजिस्ट्रेट बाडमेर

होने पर सम्बन्धित अधिकारी को राजकोष मे जमा करवाने हेतु भिजवाया जावें। पत्रावली निर्णय शुमार होकर दाखिल दफ्तर हों।

5. आदेश आज दिनांक 20.08.2024 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(राजेन्द्र सिंह चांदावत)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अपर जिला मजिस्ट्रेट, बाड़मेर
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अपर जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर

न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर (राज.)
सत्यमेव जयते

Signature Not Verified

Digitally signed by Rajendra Singh Chandawat
Date: 2024.12.06 16:13:54 IST
Reason: SelfAttested